नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

भारत और फ्रांस : मजबूत होते रणनीतिक संबंध

भारत और फ्रांस के संबंध पिछले कुछ वर्षों में केवल कूटनीतिक मित्रता तक सीमित नहीं रहे हैं, बल्कि वे एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया फ्रांस यात्रा ने इन संबंधों में नई गर्मजोशी और विश्वास का संचार किया है. राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने 13 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जो आने वाले वर्षों में तकनीक, नवाचार, अंतरिक्ष, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई दिशा देंगे.

इन समझौतों में सबसे महत्वपूर्ण पहल कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में सहयोग की है. दोनों देशों ने 'भारत-फ्रांस एआई वर्किंग ग्रुप' के गठन पर सहमति जताई है. इसका उद्देश्य एआई अनुसंधान, नवाचार और जिम्मेदार उपयोग के क्षेत्र में संयुक्त प्रयासों को बढ़ावा देना होगा. यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब एआई वैश्विक अर्थव्यवस्था और शासन प्रणाली को प्रभावित करने वाली सबसे महत्वपूर्ण तकनीक बन चुकी है.

अंतरिक्ष क्षेत्र में भी दोनों देशों ने अपने सहयोग को नई ऊंचाई देने का निर्णय लिया है. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी के बीच मानव अंतरिक्ष अभियानों सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है. शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है. फ्रांस के विश्वविद्यालय अब नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत भारतीय संस्थानों में अपने कैंपस स्थापित कर सकेंगे. वहीं, पेरिस के प्रतिष्ठित सैक्ले विश्वविद्यालय में 'एआई, नवाचार और संस्कृति' विषय पर विशेष पीठ स्थापित की जाएगी. इसके अलावा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में डिजिटल विज्ञान केंद्रों की स्थापना भी की जाएगी.

स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पेरिस के विश्व प्रसिद्ध स्टार्टअप केंद्र 'स्टेशन एफ' में दस अतिरिक्त भारतीय स्टार्टअप को शामिल करने का निर्णय लिया गया है. इससे भारतीय नवाचारों को वैश्विक बाजार तक पहुंचने का अवसर मिलेगा और दोनों देशों के युवा उद्यमियों के बीच सहयोग मजबूत होगा. आर्थिक क्षेत्र में दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है. इसके लिए एक उच्चस्तरीय तंत्र बनाया जाएगा. साथ ही आर्थिक सुरक्षा और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने पर भी सहमति बनी है. विमानन, रेलवे और वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग के नए अवसर तलाशे जाएंगे. फ्रांस में यूपीआई भुगतान प्रणाली के विस्तार का निर्णय भी भारत की डिजिटल ताकत को वैश्विक पहचान दिलाने वाला कदम है. सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए दोनों देशों के संग्रहालयों और सांस्कृतिक संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया गया है. इसके अलावा गोपनीय सूचनाओं की सुरक्षा से जुड़े समझौते ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक विश्वास को और मजबूत किया है.

स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा केवल औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि भारत-फ्रांस संबंधों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप नया आकार देने वाली पहल साबित हुई है. नवाचार, तकनीक, शिक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग इस बात का संकेत है कि दोनों देश 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना साझेदारी के साथ करना चाहते हैं. यह मित्रता अब केवल वर्तमान की नहीं, बल्कि भविष्य की साझी प्रगति की आधारशिला बनती दिखाई दे रही है.

मालवा- निमाड़ की डायरी

भाजपा नेताओं की चुटकी ले रहे लोग

संजय व्यास

विगत दिनों उज्जैन भाजपा के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं को शहर में चल रही महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का अवलोकन कराया गया. चूंकि सत्ताधारी पार्टी के पदाधिकारी सक्रिय कार्यकर्ता हैं तो उन्हें शहर में क्या चल रहा है सब पता होना चाहिए, लेकिन अवलोकन के दौरान उनके बोल फूटे कि- हम तो पहली बार देख रहे हैं, इतना कैसे बदल गया उज्जैन ! लोगों ने उनकी इस अनभिज्ञता पर आश्चर्य जताया और चुटकी ली कि ये कैसे राजनेता हैं जिन्हें शहर में क्या चल रहा है, जानकारी तक नहीं. दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी उज्जैन नगर द्वारा प्रगति पथ कार्यक्रम आयोजित किया गया.

इस अनूठे नवाचार के तहत भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता ई-रिक्शा के माध्यम से शहर में चल रहे प्रमुख निर्माण एवं विकास कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे. फ्रीगंज समानांतर ब्रिज, निर्माणाधीन मेडिसिटी, यूनिटी मॉल, आईटी पार्क तथा 1250 दर्शक क्षमता वाले अत्याधुनिक ऑडिटोरियम सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का अवलोकन किया गया. मौके पर ही सभी परियोजनाओं की प्रगति, की विस्तृत जानकारी भी दी गई. इस मौके पर भाजपा नेताओं की प्रतिक्रिया थी- हमने पहली बार घरों से निकलकर इतने बड़े पैमाने पर चल रहे विकास कार्यों को अपनी आंखों से देखा है. भरोसा ही नहीं हो रहा कि यह वही उज्जैन है जो कभी विकास की राह देखता था.

हालांकि यह उनकी अतिश्योक्ति भरी सामान्य प्रतिक्रिया थी, अधिकांश नेताओं (इनमें शामिल कुछ शहर से बाहर के जनप्रतिनिधियों को छोड़कर) की नजरों से ये विकास के दृश्य गुजरते रहे हैं. वे तो उत्साह में यह बोल प्रकट कर गए, पर लोग अब उनकी चुटकी लेने से नहीं चूक रहे.

अनूठे मामले से चर्चित हुए नेताजी

2023 के विधानसभा चुनाव में बसपा से झाबुआ विधान सभा सीट से प्रत्याशी रहे बालू उस समय इतनी चर्चा में नहीं रहे, जितनी आज हो रही है. चुनाव में वे भाजपा -कांग्रेस के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे, बस तब उनका नाम जुबान पर इसलिए था कि वे नोटा से ज्यादा वोट ले आए थे. वे भी इतनी सी बात से संतुष्ट थे की उन्होंने नोटा को पछाड़ दिया, वरना मुकाबले में वे कहीं से कहीं तक नहीं रहे. लेकिन उन्हें एक मामले ने इस बार प्रदेश स्तर पर चर्चित कर दिया. वे भैंस चोरी के मामले में गिरफ्तार किए गए हैं, उनके पास से चोरी गई भैंस बरामद हुई थी.

और सराहनीय चर्चा इनकी

उत्कृष्ट प्रशासनिक अफसर के मामले में कुछ वर्षों से झाबुआ का नाम उल्लेखनीय है. पूर्व कलेक्टर नेहा मीना का नवाचार मोटी आई माडल की गूंज दिल्ली तक रही थी. उन्हें एक्सीलेंस अवार्ड से प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मानित किया था. 2 माह पूर्व डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने जिलाधीश की कमान सम्हाली और आते ही वे भी लगातार एक्टिव मोड में हैं. जमीनी हकीकत जानने के लिए वे बिना किसी लाव-लश्कर और काफिले के अचानक कहीं भी पहुंच जाते हैं. कहीं व्यवस्था में सुधार पर सख्ती बरत रहे हैं तो कहीं जन समस्या का तत्पर समाधान उनकी शैली में है. डॉ. भरसट एमडी डॉक्टर रहे हैं और मुंबई सहित कई शहरों में डॉक्टर के रूप में सेवा दे चुके हैं. अब जमीनी अफसर के रूप में लोकप्रिय हो रहे हैं. हाल ही में एक निरीक्षण के दौरान उनकी मानवीय संवेदना सामने आई. वे पिटोल के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करने गए थे. ओपीडी में मरीजों और गर्भवती महिलाओं की कतार लगी थी. डाक्टर के काफी देर तक भी न आने से सभी परेशान थे. पहले तो डाक्टर की अनुपस्थिति पर उन्होंने नाराजगी जताई, पर जब उन्हें बताया गया कि केंद्र के डॉक्टर जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम ड्यूटी पर गए हुए हैं तो उनका चिकित्सा भाव जाग गया. उन्होंने सभी का परीक्षण किया व दवाईयां भी लिखी. इसके बाद रोगी उनके इस कार्य के साथ सरल भाव की प्रशंसा कर रहे हैं.

स्वस्थ भारत सशक्त भारत

स्वास्थ्य देखभाल विकास के 12 वर्ष

अनुप्रिया पटेल

बेहतर स्वास्थ्य प्रणाली से आर्थिक उत्पादकता बढ़ती है, कार्यबल की संख्या में बढ़ोतरी होती है और विकास दीर्घावधि तक होता है. इसलिए, अच्छी सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा संकेत है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति भी है. यह वह आधार है, जिस पर मानवीय क्षमता का निर्माण होता है और देश की ताकत मापी जाती है. इसलिए, बेहतर सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति है और इसमें लगाया गया हर रुपया देश के लोगों में किया गया निवेश है. इस तरह, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) ,यानी यह सुनिश्चित करना कि सभी लोग, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, बिना किसी आर्थिक परेशानी के, जब और जहाँ जरूरत हो, अच्छी गुणवत्ता की सभी ज़रूरी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल कर सकें.

यह न केवल 2030 तक हासिल किया जाने वाला सतत् विकास का लक्ष्यहै, बल्कि सेहत से जुड़ी एक प्राथमिकता भी है. भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 (एनएचपी 2017),सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) और एसडीजी 3 को हासिल करने के लक्ष्य के अनुरूप हैऔर यह एक सरल लेकिन मजबूत सोच पर आधारित है - स्वास्थ्य सेवाओं तक हर व्यक्ति की पहुँच होनी चाहिए. इसके चार स्तंभ,किफायती होना, पहुँच, गुणवत्ता और उपलब्धता, उस सोच को वास्तिवकता में बदलते हैं और जीवन के सभी चरणों में देखभाल की एक व्यापक व्यवस्था को मज़बूत करते हैं. लक्ष्यों के अनुरूप, राष्ट्रीय स्वास्थ्यमिशन राज्यों को स्वास्थ्य प्रणाली का एक एकीकृत तीन-स्तरीय मॉडल प्रदान करने में मदद करता है, जिसमें ग्रामीण और शहरी इलाकों (कमजोर वर्गों सहित) के बीच दोतरफा रेफरल लिंक शामिल हैं.

> यही कारण है कि भारत की उन्मूलन उपलब्धियाँ महत्वपूर्ण हैं : 2015 में मातृ एवं नवजात टेटनसऔर 2024 तक ट्रेकोमा का सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में उन्मूलन. ऐसा करने वाला भारत दक्षिण-पूर्व एशिया का तीसरा देश बन गया है. यह व्यापक सबक है. एनएचपी 2017 ने दिशा निर्धारित की, एनएचएम ने उप-स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर तृतीयक अस्पतालों तक वितरण अवसंरचना का निर्माण कियाऔर आयुष्मान भारत ने उस प्रणाली को उसके चार कार्यशील स्तंभ दिए : प्राथमिक देखभाल के लिए एएएम, वित्तीय सुरक्षा के लिए पीएम-जेएवाई, सशक्तिकरण और अवसंरचना के लिए पीएम-एबीएचआईएम, और डिजिटल आधार के लिए एबीडीएम. मुफ्त दवाओं, निदान, परिवहन और डायलिसिस के साथ मिलकर, ये योजनाएँ मात्र योजनाओं का संग्रह नहीं हैं. ये हमारे लोगों के लिए एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य कवच का निर्माण करती हैंऔर यह याद दिलाती हैं कि जब सार्वजनिक स्वास्थ्य को राष्ट्र निर्माण के रूप में देखा जाता है, तो यह जीवन और देश के भविष्य दोनों को बदल सकता है.

आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) प्राथमिक स्तर परबीमारी से बचाव, सेहत को बढ़ावा देने, इलाज, पुर्नवास और प्रशामक देखभाल जैसी व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ देते हैं. ईसंजीवनी टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म इन एएएमके ज़रिए समुदाय को विशेषज्ञों से जोड़कर विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है. साथ ही, एक खास टेली-मानस प्लेटफॉर्म भी है, जिसने अब तक कुल 38.93 लाख लोगों तक पहुँच बनाई है. एएएमसे जुड़े द्वितीय स्तर के केंद्र जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी)/प्रथम रेफरल इकाई (एफआरयू) और ज़िला अस्पताल (डीएच)होते हैं, जो विशेषज्ञ के समक्ष इलाज और अस्पताल में भर्ती होने की सुविधा के लिए रेफरल का पहला ज़रिया होते हैं. वहीं, मेडिकल कॉलेज जैसे तृतीयक संस्थान सबसे ऊपर होते हैं और ज़्यादा जटिल व सुपर-स्पेशलिस्ट सेवाओं की ज़रूरतें पूरी करते हैं. इस तीन-स्तरीयप्रणाली को सरकारी स्वास्थ्य बजट में बढ़ोतरी का समर्थन प्राप्त है. पिछले दशक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पर होने वाला खर्च 168त्न बढ़ गया है, जो स्वास्थ्य को राष्ट्रीय प्राथमिकता मानने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है. आयुष्मान आरोग्य मंदिर का सफर व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के विस्तार और प्रतिक्रियात्मक कार्यवाही से समस्या होने से पहले ही ध्यान रखने वाली देखभाल की ओर जरूरी बदलाव को दिखाता है. व्यापक स्वास्थ्य पैकेजों की संख्या 6 से बढ़ाकर 12 करना, भारत की बदलती आबादी और बीमारियों के बदलते पैटर्न के हिसाब से उठाया गया एक जरूरी कदम है.

बढ़ती उम्र की आबादी और गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बढ़ते मामलों की दोहरी चुनौतियों का सामना करते हुए, इसके दायरे में गैर-संचारी रोग, मानसिक स्वास्थ्य, बुज़ुर्गों की देखभाल, आपातकालीन सेवाएँ, आँख, कान-नाक-गला (ईएनटी) और मुँह की सेहत के साथ-साथ योग और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली गतिविधियाँ शामिल हैं. यह सब उस आबादी की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो भारत अब बन रहा है. मई 2026 तक, देश भर में 1.8 लाख से ज़्यादा एएएमकाम कर रहे हैं, ताकि लोगों को उनके घर के पास स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें. इस विस्तार का असर एएएममें 120 करोड़ से ज़्यादा ओपीडीपरामर्श, 70 करोड़ से ज़्यादा ईसंजीवनी टेली-परामर्श और अच्छी सेहत व कल्याण को बढ़ावा देने वाले 46.1 करोड़ से ज़्यादा वेलनेस सत्रों में साफ़ दिखता है.

(लेखक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री हैं.)

युद्ध रोकने को लेकर ट्रंप कितने गंभीर

अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के अनुसार मार्च से लेकर अब तक अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप सार्वजनिक रूप से ईरान के साथ युद्ध समाप्ति के लिए तत्काल समझौता करने की घोषणा कम से कम 38 बार कर चुके हैं लेकिन अब तक अंतिम समझौता नहीं हो पाया है. कहा जाता है कि ट्रंप के ईरान के साथ युद्ध और शांति संबंधी बयान वित्तीय बाजारों की ट्रेडिंग से जुड़े हुए हैं. इसकी वजह से शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव आता रहता है. ट्रंप का व्यापारी स्वभाव इसके पीछे है. इसलिए कुछ ही घंटों के भीतर अपना बयान बदलने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति पर भरोसा कैसे किया जा सकता है? मीडिया को सीधे दिए गए ट्रंप के बयान से उनका प्रशासन भी हक्का-बक्का रह जाता है. उसे ऐसे बदले हुए बयान पर सफाई देना मुश्किल हो जाता है. अब उन्होंने कहा है कि ईरान के साथ अनावश्यक युद्ध को वह कुछ ही घंटों में स्थायी रूप से बंद कर देंगे. ट्रंप के बयान उनकी सेना के बयानों के खिलाफ भी जाते हैं. जब ओमान के तट पर भारतीय चालक दल द्वारा संचालित जहाज पर अमेरिकी सेना ने मिसाइल से हमला किया और क्रू के भारतीय सदस्यों की जान ले ली तो भारत ने इसका विरोध किया. इस पर अमेरिकी सेना ने कहा कि व्यापारी जहाज को हट जाने की पर्याप्त चेतावनी देने के बाद हमला किया गया. दूसरी ओर ट्रंप ने इस हमले के लिए ईरान पर दोषारोपण कर दिया. ट्रंप चाहे जो भी दावा करें, होर्मुज की खाड़ी अभी भी जहाजों के लिए नहीं खोली गई है. यह अत्यंत खतरनाक क्षेत्र है जहां नाविकों की जिंदगी पर खतरा मंडरा रहा है. ट्रंप की शीघ्र ही युद्ध समाप्ति पर समझौता होने की घोषणा पर ईरान ने कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की है. ट्रंप की आदत परिणामों की चिंता किए बगैर बड़बोले बयान देने की है. जब तक कोई लिखित समझौता नहीं हो जाता और दोनों देश संयुक्त विज्ञप्ति जारी नहीं करते तब तक ऐसी घोषणाओं में कोई दम नहीं है.

ट्रंप चाहे जो भी दावा करें, होर्मुज की खाड़ी अभी भी जहाजों के लिए नहीं खोली गई है. यह अत्यंत खतरनाक क्षेत्र है जहां नाविकों की जिंदगी पर खतरा मंडरा रहा है. ट्रंप की शीघ्र ही युद्ध समाप्ति पर समझौता होने की घोषणा पर ईरान ने कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

चाहे दिल्ली हो या देहरादून लेट मानसून प्लीज कम सून

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हमें लग रहा है कि इस बार मानसून लेट आ रहा है. बस, ट्रेन या फ्लाइट लेट हो सकती है, लेकिन मानसून को राइट टाइमपर आना चाहिए. हम कब तक 42 से 45 डिग्री की गर्मी और भारी उमस झेलेंगे. यह गर्मी तो कूलर और एसी को भी फेल कर रही है. इसलिए हमारी गुहार है कि दिल्ली हो या देहरादून, लेट मानसून, प्लीज कम सून !'

हमने कहा, 'आप तो बरसात के लिए ऐसे बेचैन हो रहे हैं जैसे चातक पक्षी स्वाति नक्षत्र में पड़ने वाली वर्षा की बूंद के लिए व्याकुल रहता है. मौसम विभाग बता चुका है कि इस बार सिर्फ 90 प्रतिशत पानी बरसेगा. बारिश के दिन भी कम रहेंगे. इजराइल में कभी-कभार हल्का सा पानी बरसता है. वहां के वैज्ञानिक कहते हैं कि भारत अपने मानसून का एक दिन का पानी हमें दे तो अपनी जमीन को सरसब्ज बना देंगे.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, अरब देशों में वर्षा नहीं होती. वहां के अरब शेख मानसून का नजारा देखने मुंबई आते हैं और वहां के होटलों में ठहरकर खिड़की से देखते हैं कि काले-कजरारे बादल कैसे घुमड़ते हैं, बिजली कैसे चमकती है. मरीन ड्राइव पर समुद्र कैसे उफान मारता है और मुंबई की सड़कें कैसे झील या नदी बन जाती हैं.' हमने कहा, 'पश्चिम महाराष्ट्र में सिंचाई की उत्तम व्यवस्था है लेकिन विदर्भ के 11 जिले वर्षा पर निर्भर हैं. यवतमाल के किसान सबसे ज्यादा आत्महत्या करते हैं. बारिश जल्दी आए तो कलेजे में ठंडक पड़े. कृषि कार्य शुरू हो जाएं. हिंदी प्रदेशों में बारिश का स्वागत करते हुए कहा जाता है- बरसो राम धड़ाके से, बुढ़िया मर गई फाके से !'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जब चींटियां अपने मुंह में अंडे लेकर निकलती हैं, चिड़िया धूल में नहाने लगती हैं और काले बादल देखकर मोर खुशी से पंख फैलाकर नाचने लगता है तो समझ लेना मानसून आया है.'

हमने कहा, 'जब तक मानसून नहीं आता तब तक आप राज कपूर की पुरानी फिल्म 'बरसात' या देव आनंद की 'बारिश' देखिए. चाहें तो अभी से छतरी और रेनकोट खरीदकर रख लीजिए. फिर भी पानी न बरसे तो मानसून का नाम बदलकर 'मान लेट' कर देना !'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12290

- डॉ. सागर खादीवाला

1		2	3	■	4		5
	■	6		7		■	
	■		■	8		9	
10	11	■	12		■	13	
14		15				■	■
■	■	16		■	■	17	18
19	20		■	■	21		
■	22					■	

बाएं से दाएं
1.आवारागर्द, सब जगह जाने वाला, व्यभिचारिणी (उर्दू) 4. अवधि 6. तलुआ (सं.) 8. कलाकार 10. प्रशंसा, कथा 12. प्राचीन फारसी कथाओं की वे सुंदर स्त्रियां जिनके कंधों पर पंख लगे होते थे 13. नाक में पहनने का आभूषण 14. जीवन शैली 16. वह भाषा जिसमें बौद्ध ग्रंथ लिखे गए हैं 17. थूक में मिला पान का रस 19. बल्कि, किंतु 21. शोक 22.किसी कला में निपुण

ऊपर से नीचे
1. पारिजात का पेड़ 2. जप करने वाला (सं.) 3. खुशी का दिन, मुसलमानों का मजहबी त्योहार (उर्दू) 4. मिलना, भेंट 5. रामचंद्रजी के पिता 7. सैर-सपाटा, घूमना-फिरना 9. श्रवणेंद्रिय 11. गहराई की सीमा 12. स्तनपायी जीवों की छाती के दोनों ओर की गोलाकार हड्डियों में से प्रत्येक 15. नापा और तौला हुआ 17. पीला 18. पद्म, सरसिज 20. कोयल 21. सामग्री, संपत्ति, माला

Solution 12289

न	व	रा	त्र	■	ब	ह	स
फ	त	ह	■	ग	ह	रा	■
र	न	■	उ	दा	र	■	■
त	प	स्या	■	■	हा	द	सा
■	र	ह	म	दि	ल	■	र
म	स्त	■	हा	ल	■	सं	ग
स्तू	■	स	न	क	ना	■	र्भि
ल	हू	■	ता	श	■	रा	त

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में यात्रा का योग है, पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी, मित्र के कारण कार्यों में व्यवधान आयेगा, व्यवसाय में अत्याधिक परिश्रम करना होगा, वर्ष के मध्य में पूर्व निर्धारित कार्यो कें रूकावटें आयेंगी, दाम्पत्य जीवन में कलहपूर्ण स्थिति से बचना चाहिये, वर्ष के अन्त में धन लाभ का योग है, शुभ सूचना प्राप्त होगी, जमीन जायजाद में वृद्धि होगी, संबंधों में मधुरता आयेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को धन लाभ का योग है, सुखद समाचार प्राप्त होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को यात्रा का योग है, पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को जीवन सुखमय रहेगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को अधिक परिश्रम करना होगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को निर्धारित कार्यो में रूकावटें आयेंगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मित्र के कारण व्यवधान आ सकता है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, स्वस्थ्य, भाग्यवान, और हंसमुख होगा, इसकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी, जन्म स्थान के पास ही अपना भाग्योदय करेगा, माता पिता को जीवन में सुखी रखेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

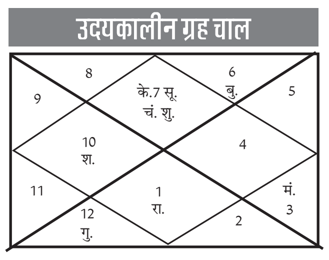

मेष- कार्य बनाने किसी की सिफारिश करना पडेगी, मेहनत का लाभ होगा, शारीरिक शिथिलता रहेगी, मित्र वर्ग आपकी भरपूर मदद करेंगे.

वृषभ- जीवनसाथी की भावनाओं का ध्यान रखें, अपनों की मदद करके प्रसन्नता होगी, हर्षदायक वातावरण रहेगा, गुमी वस्तु मिलने से संतोष रहेगा.

मिथुन- खानपान में सावधानी रखें, रोजगार के नये अवसर मिलेंगे, दिनचर्या नियमित रहेगी, सोचे विचारे कामपूरे होंगे, संयम से कार्य करें.

कर्क- जिसे आप चाहते हैं, उससे मन की बात कह दें, इससे रिश्ते मजबूत होंगे, सुख सुविधा पर खर्च होगा, व्यापार में सफलता मिलेगी, निजी कार्यो में मन लगेगा.

सिंह- चुप रहने से लोग गलत समझ सकते हैं, उनझनें दूर होंगी, कोर्ट कचहरी के कार्यो में सफलता प्राप्त होगी, गुप्त शत्रुओं का शमन होगा.

कन्या- कानूनी मामले में पक्ष मजबूत होगा, अधूरे काम पूरे होंगे, कोर्ट कचहरी के कार्यो में सफलता प्राप्त होगी, गुप्त शत्रुओं का शमन होगा.

तुला- भावुकता में लिये फैसले बदलना पडेंगे, राजकीय मामले पक्ष में सुलझेंगे, पारिवारिक जीवन में सुख शांति रहेगी, व्यापार व्यवसाय में सफलता मिलेगी.

वृश्चिक- नई जिम्मेदारी आने से व्यस्तता बढेगी, सामाजिक कामकाज में खर्च होगा, शिक्षा संतान के कार्यो में सफलता मिलेगी, आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी.

धनु- कामकाज में देरी से तनाव बढ़ेगा, बुजुर्गो के स्वास्थ्य की चिन्ता होगी, भूमि भवन मकान आदि से संबंधित विवादों का समाधान होगा, अतिथि आगमन होगा.

मकर- दौड़धूप से कामकाज पूरा होगा,सामाजिक क्षेत्र में व्यस्तता बढेगी, सुख साधनों में वृद्धि होगी, आजीविका के प्रयासों में सफलता के योग है.

कुम्भ- रूकी हुई योजनाओं में गति आयेगी, शिक्षा के प्रयासों को लेकर यात्रा होगी, मित्रों के सहयोग से कार्य प्रारंभ होंगे, थकान भी महसूस होगी.

मीन- विरोधी परेशान करेंगे, अधिकारी से संपर्क का लाभ मिलेगा, धार्मिक कार्य बनेगा, संतान संबंधी समाचार मिलेगा, नए कार्यो में हर्ष रहेगा.

पंचांग

रा.मि. 26 संवत् 2083 शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा भौमवासरे प्रातः 6/17 तदुपरि द्वितीया तिथौ रात 3/54, आर्द्रा नक्षत्रे रात 7/8, गण्ड योगे प्रातः 7/14 तदुपरि वृद्धि योगे रातअंत 4/16, वव करणे सू.उ. 5/13, सू.अ. 6/47, चन्द्रचार मिथुन, पर्व- चन्द्रदर्शन, शु.रा. 3,5,6,9,10,1 अ.रा. 4,7,8,11,12,2 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा/द्वितीया को आर्द्रा नक्षत्र के प्रभाव से गुड़ खांड, सरसों, के भाव में मंदी होगी, जीरा, धनियां, लौंग, कालीमिर्च, मैथी में मंदी होगी, सोना, चांदी, में स्थिरता रहेगी, लाल वस्तुओं में घटाबढी, होगी. भाग्यांक 2614 है.

SUDOKU 7422

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7421

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7